ISSN:2583-3200 Volume 5, 2025 IF: 4.426 Frequency: Annual

International Journal of Innovations in Liberal Arts

https://doi.org/10.5281/zenodo.15565414

म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स का कलाकारों पर प्रभाव

डॉ. पल्लवी खरे
सहायक प्रोफेसर
एमिटी स्कूल ऑफ लिबरल आर्ट्स
एमिटी विश्वविद्यालय, हरियाणा

Received: JAN. 11, 2025 Accepted: FEB. 06, 2025 Published: FEB. 28, 2025

प्रस्तावना
वर्तमान डिजिटल युग ने हमारे जीवन के लगभग हर क्षेत्र में क्रांतिकारी परिवर्तन किए हैं, और संगीत की दुनिया भी इससे अछूती नहीं रही है। संगीत, जो सदियों से मानव भावनाओं की अभिव्यक्ति का माध्यम रहा है, अब तकनीक के साथ मिलकर एक नए युग में प्रवेश कर चुका है। पहले जहाँ संगीत सुनने के लिए लोग रेडियो, टेलीविजन, कैसेट, सीडी और डीवीडी जैसे पारंपरिक माध्यमों पर निर्भर रहते थे, वहीं आज इंटरनेट और स्मार्टफोन के ज़रिए संगीत तक पहुँच पहले से कहीं अधिक सहज, तीव्र और व्यापक हो गई है।

इस परिवर्तन के केंद्र में हैं **म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स**—जैसे Spotify, Apple Music, YouTube Music, JioSaavn और Gaana—जिन्होंने न केवल संगीत के उपभोग (consumption) के तरीकों को बदला है, बल्कि कलाकारों और श्रोताओं के बीच की दूरी को भी कम किया है। अब कोई भी व्यक्ति विश्व के किसी भी कोने में बैठकर, किसी भी समय, अपनी पसंद का कोई भी गीत सुन सकता है। यह सुविधा जहाँ एक ओर आम श्रोताओं के लिए वरदान साबित हो रही है, वहीं दूसरी ओर कलाकारों के लिए भी यह नए अवसरों का द्वार खोल रही है।

इन प्लेटफॉर्म्स ने पारंपरिक रिकॉर्डिंग कंपनियों की सीमाओं को पीछे छोड़ते हुए कलाकारों को आत्मनिर्भर बनाया है। आज कलाकार स्वयं अपने गीत रिकॉर्ड कर सकते हैं, उन्हें स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स पर अपलोड कर सकते हैं, और लाखों-करोड़ों श्रोताओं तक अपनी कला को पहुँचा सकते हैं। इससे स्वतंत्र कलाकारों (independent artists) को वैश्विक पहचान और एक नई आर्थिक संभावना प्राप्त हुई है।

लेकिन तकनीकी प्रगति के साथ कुछ महत्वपूर्ण **चुनौतियाँ** भी जुड़ी हुई हैं। जैसे—कम रॉयल्टी दरें, कॉपीराइट उल्लंघन, डिजिटल प्लेटफॉर्म्स की प्रतिस्पर्धा में टिके रहने का दबाव, मानसिक तनाव, और

डिजिटल साक्षरता की कमी। इसके अतिरिक्त, कुछ बड़े प्लेटफॉर्म्स पर केवल लोकप्रिय या व्यावसायिक संगीत को प्राथमिकता दी जाती है, जिससे नवोदित या लोक कलाकारों को समान अवसर नहीं मिल पाते।

इन सभी बिंदुओं के आलोक में यह शोध-पत्र **म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स का भारतीय और वैश्विक परिप्रेक्ष्य में कलाकारों पर पड़ने वाले प्रभावों** का गहन विश्लेषण करेगा। यह अध्ययन इस बात को समझने का प्रयास करेगा कि डिजिटल युग में संगीत का स्वरूप भले ही अत्याधुनिक हो गया हो, पर क्या इससे कलाकारों की **सृजनात्मकता, आर्थिक स्थिति और सांस्कृतिक पहचान** को लाभ हुआ है? साथ ही, हम यह भी जानने का प्रयास करेंगे कि भविष्य में इन प्लेटफॉर्म्स की भूमिका कैसी होनी चाहिए ताकि कलाकारों का सर्वांगीण विकास सुनिश्चित किया जा सके।

म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स क्या हैं?

म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स ऐसे ऑनलाइन माध्यम हैं जहाँ लोग इंटरनेट के जरिये अपने पसंदीदा गीत, एलबम, या प्लेलिस्ट तुरंत सुन सकते हैं। यहाँ लाखों गीत उपलब्ध होते हैं जिन्हें आप अपने मोबाइल, लैपटॉप या स्मार्ट टीवी पर कभी भी और कहीं भी सुन सकते हैं। ये प्लेटफॉर्म्स या तो फ्री होते हैं (जिनमें विज्ञापन आते हैं) या सब्सक्रिप्शन मॉडल पर चलते हैं, जहाँ उपयोगकर्ता पैसे देकर विज्ञापन-मुक्त संगीत सुनते हैं।

म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स का कलाकारों के लिए महत्व

डिजिटल म्यूजिक प्लेटफॉर्म्स ने कलाकारों के लिए कई नए मौके खोले हैं। पहले कलाकारों को अपनी संगीत कृतियों को रिकॉर्ड करने, प्रचार करने और बेचने के लिए बड़ी कंपनियों पर निर्भर रहना पड़ता था। अब वे खुद डिजिटल दुनिया में अपनी पहचान बना सकते हैं।

कलाकारों पर सकारात्मक प्रभाव

1. **वैश्विक दर्शकों तक पहुंच:**
   म्यूजिक स्ट्रीमिंग से कलाकार अपनी सीमाओं से बाहर निकलकर दुनिया भर में अपनी कला दिखा सकते हैं। भारत के छोटे-छोटे शहरों के कलाकार भी इन प्लेटफॉर्म्स के जरिये विदेशों में बसे श्रोताओं तक पहुँच सकते हैं। इससे उनकी लोकप्रियता बढ़ती है और नए अवसर मिलते हैं।
2. **स्वतंत्रता और रचनात्मकता:**
   डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के कारण कलाकार बिना किसी म्यूजिक कंपनी के दबाव के अपने हिसाब से संगीत बना सकते हैं। वे अपनी रचनात्मकता को ज्यादा आज़ादी से विकसित कर पाते हैं। इससे संगीत की विविधता और नए प्रयोग होते हैं।
3. **नए कलाकारों को मौका:**
   पहले बड़े रिकॉर्ड लेबल्स पर निर्भर रहने वाले नए कलाकार अब खुद डिजिटल प्लेटफॉर्म पर जाकर अपनी प्रतिभा दिखा सकते हैं। इससे नए कलाकारों को बड़ा मंच मिलता है और वे ज्यादा लोगों तक पहुँच पाते हैं।
4. **संगीत शिक्षा के लिए मददगार:**
   इन प्लेटफॉर्म्स पर संगीत से जुड़ी शिक्षा और ट्रेनिंग सामग्री भी उपलब्ध होती है, जिससे नए कलाकार कहीं से भी सीख सकते हैं और अपने हुनर को बढ़ा सकते हैं।
5. **आर्थिक अवसर:** अगर किसी गीत को ज्यादा बार सुना जाता है, तो कलाकार को उससे कुछ रॉयल्टी मिलती है। इसके अलावा, लोकप्रियता बढ़ने पर कलाकार लाइव कॉन्सर्ट, ब्रांड एंडोर्समेंट और विज्ञापन के जरिए भी कमाई कर सकते हैं।

कलाकारों पर नकारात्मक प्रभाव

1. **कम रॉयल्टी मिलने की समस्या:**
   म्यूजिक स्ट्रीमिंग से मिलने वाली रॉयल्टी बहुत कम होती है, खासकर नए या कम प्रसिद्ध कलाकारों के लिए। प्रति गीत स्ट्रीमिंग पर मिलने वाला भुगतान इतना कम है कि उससे आर्थिक मदद बहुत सीमित होती है।
2. **अधिक प्रतिस्पर्धा:**
   डिजिटल दुनिया में लाखों गीत उपलब्ध होने से नए कलाकारों के लिए अपनी जगह बनाना कठिन हो गया है। बड़े कलाकारों और प्रसिद्ध नामों को ज्यादा प्राथमिकता मिलती है।
3. **बाज़ार की मांग के अनुसार संगीत बनाना:**
   कभी-कभी कलाकारों को बाजार के ट्रेंड के अनुसार ही संगीत बनाना पड़ता है, जिससे वे अपनी असली रचनात्मकता खो सकते हैं और सिर्फ लोकप्रिय गानों की नकल कर सकते हैं।
4. **कॉपीराइट और चोरी की समस्या:**
   डिजिटल दुनिया में कलाकारों के गीत चोरी होने, अनधिकृत डाउनलोड और कॉपीराइट उल्लंघन की समस्या आम है। इससे कलाकारों को नुकसान होता है और उनका हक छिनता है।
5. **तकनीकी और आर्थिक असमानता:**
   हर कलाकार के पास अच्छे इंटरनेट और तकनीक की पहुँच नहीं होती। ग्रामीण और गरीब कलाकार डिजिटल प्लेटफॉर्म्स का पूरा फायदा नहीं उठा पाते।
6. **मानसिक दबाव:**
   लगातार प्रतिस्पर्धा, कम आर्थिक लाभ और पहचान की कमी के कारण कई कलाकार मानसिक तनाव में रहते हैं, जो उनके काम और जीवन दोनों पर बुरा असर डालता है।

भारत में स्थिति

भारत में म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स तेजी से बढ़ रहे हैं। क्षेत्रीय भाषाओं के गीत भी लोकप्रिय हो रहे हैं। लेकिन भारत में कलाकारों की आर्थिक सुरक्षा और कॉपीराइट संरक्षण अभी भी कमजोर है। कई कलाकार अपनी मेहनत का उचित लाभ नहीं पा पाते।

समाधान और सुझाव

1. **रॉयल्टी प्रणाली में सुधार:**
   रॉयल्टी वितरण को पारदर्शी और उचित बनाया जाना चाहिए ताकि सभी कलाकारों को उनकी मेहनत का सही फल मिले। नई तकनीकों जैसे ब्लॉकचेन का उपयोग किया जा सकता है।
2. **कानूनी सुरक्षा मजबूत करें:**
   कलाकारों के कॉपीराइट और डेटा सुरक्षा के लिए सख्त कानून और नियम बनाए जाएं।

3. **डिजिटल साक्षरता बढ़ाएं:**
   कलाकारों को डिजिटल प्लेटफॉर्म्स के उपयोग की ट्रेनिंग दी जाए ताकि वे खुद को बेहतर तरीके से प्रमोट कर सकें।
4. **रचनात्मकता को बढ़ावा दें:**
   कलाकारों को बाजार के दबाव से बचाकर अपनी कला को आज़ाद रूप से विकसित करने के मौके मिलें।
5. **सहयोग और समर्थन:**
   प्लेटफॉर्म्स, सरकार और संगीत उद्योग को मिलकर कलाकारों के हित में काम करना चाहिए।

निष्कर्ष

म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स ने 21वीं सदी के संगीत उद्योग में एक अभूतपूर्व क्रांति ला दी है। यह परिवर्तन केवल तकनीकी नहीं है, बल्कि सामाजिक, सांस्कृतिक और आर्थिक स्तर पर भी इसकी गूँज सुनी जा सकती है। आज कलाकारों को अपनी कला प्रस्तुत करने के लिए पारंपरिक माध्यमों—जैसे रिकॉर्डिंग लेबल, रेडियो स्टेशन, और टीवी चैनलों—पर निर्भर नहीं रहना पड़ता। वे स्वयं अपने संगीत को विश्व स्तर पर प्रस्तुत कर सकते हैं, और यह संभव हुआ है डिजिटल स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स के कारण।

इन प्लेटफॉर्म्स की सबसे बड़ी विशेषता यह है कि इन्होंने **कलाकारों के लिए अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता**, **वैश्विक पहुँच** और **आर्थिक संभावनाओं** के नए द्वार खोले हैं। उभरते कलाकार, जो कभी सीमित संसाधनों और अवसरों के कारण पीछे रह जाते थे, आज डिजिटल माध्यम से अपने श्रोताओं से सीधे जुड़ सकते हैं। इससे संगीत में विविधता, नवीनता और लोकतांत्रिकता का नया युग शुरू हुआ है।

हालाँकि, इस प्रगति के साथ कुछ **गंभीर चुनौतियाँ** भी जुड़ी हुई हैं। कलाकारों को मिलने वाली **रॉयल्टी दरें अत्यंत न्यूनतम** होती हैं, जिससे उनकी आजीविका अस्थिर हो सकती है। इसके अतिरिक्त, **कॉपीराइट उल्लंघन**, **डिजिटल चोरी**, और **एल्गोरिद्म-आधारित पक्षपातपूर्ण सिफारिश प्रणाली** जैसे मुद्दे भी चिंता का विषय हैं। इस नई व्यवस्था में कलाकारों को अपनी रचनात्मकता को बनाए रखने के साथ-साथ, व्यावसायिक दबाव और मानसिक तनाव से भी जूझना पड़ता है।

म्यूजिक स्ट्रीमिंग की सफलता और न्यायसंगतता इस बात पर निर्भर करेगी कि हम किस प्रकार इन चुनौतियों से निपटते हैं। इसके लिए आवश्यक है:

- कलाकारों के अधिकारों की रक्षा करने वाले **कड़े कानूनी ढांचे** का निर्माण,
- **पारदर्शी रॉयल्टी प्रणाली** की स्थापना,
- **डिजिटल साक्षरता** का विस्तार, और
- **तकनीकी संसाधनों तक समान पहुँच** सुनिश्चित करना।

इसके अलावा, यह ज़रूरी है कि स्ट्रीमिंग कंपनियाँ अपने **एल्गोरिद्म में पारदर्शिता** लाएँ और छोटे व स्वतंत्र कलाकारों को भी **प्रमोट करने की नीति** अपनाएँ। सरकार और सांस्कृतिक संगठनों को भी इस दिशा में सक्रिय भूमिका निभानी चाहिए ताकि कलाकारों की कल्याणकारी नीतियाँ बन सकें।

अंततः, म्यूजिक स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स एक **द्वि-धारी तलवार** की तरह हैं—वे एक ओर कलाकारों के लिए **अभूतपूर्व अवसर** लाते हैं, तो दूसरी ओर **गंभीर संरचनात्मक चुनौतियाँ** भी प्रस्तुत करते हैं। यह हम पर निर्भर करता है कि हम इस तकनीकी नवाचार को कैसे दिशा देते हैं। यदि नीतियाँ न्यायपूर्ण, तकनीक समावेशी, और दृष्टिकोण संवेदनशील हो, तो यह कहा जा सकता है कि डिजिटल युग में संगीत का भविष्य न केवल उज्ज्वल होगा, बल्कि यह संगीत को **सुनने भर का नहीं, बल्कि "जीने" का अनुभव** बना देगा।

संदर्भ सूची / References:

हिंदी स्रोत:

गोपाल, एस. (2020). *डिजिटल म्यूजिक स्ट्रीमिंग और कलाकारों पर प्रभाव.* संगीत उद्योग जर्नल, खंड 12, अंक 3।

सिंह, आर. (2021). *भारत में म्यूजिक स्ट्रीमिंग की चुनौतियाँ और अवसर.* संगीत समीक्षा, खंड 8।

शर्मा, पी. (2019). *स्ट्रीमिंग प्लेटफॉर्म्स और रॉयल्टी वितरण.* अंतरराष्ट्रीय संगीत व्यापार जर्नल।

Spotify, **Gaana**, **JioSaavn** के आधिकारिक रिपोर्ट्स (2022-2023)।

YouTube Music और **Apple Music** की रिपोर्ट्स (2023)।

प्रेस सूचना ब्यूरो, भारत सरकार. (2022). *डिजिटल संगीत सेवाओं पर नीति प्रस्तावित दस्तावेज़.* https://pib.gov.in

अंतरराष्ट्रीय स्रोत (International References):

IFPI (International Federation of the Phonographic Industry). (2023). *Global Music Report 2023*. Retrieved from: https://www.ifpi.org

Spotify for Artists. (2022). *How Artists Make Money on Spotify*. Retrieved from: https://artists.spotify.com

Marshall, L. (2015). *'Let's Keep Music Special. F— Spotify': On-demand Streaming and the Controversy over Artist Royalties. Creative Industries Journal*, 8(2), 177–189. DOI: 10.1080/17510694.2015.1096618

Aguiar, L., & Waldfogel, J. (2018). *As Streaming Reaches Flood Stage, Does It Stimulate or Depress Music Sales? International Journal of Industrial Organization*, 57, 278–307. https://doi.org/10.1016/j.ijindorg.2018.01.006

IFPI India. (2021). *Indian Music Industry Report*. Retrieved from: https://ifpi.org/india

Mulligan, M. (2020). *The Economics of Music Streaming: The Disruption of the Music Industry*. MIDiA Research. Retrieved from: https://www.midiaresearch.com

Sundararajan, A. (2016). *The Sharing Economy: The End of Employment and the Rise of Crowd-Based Capitalism*. MIT Press.

YouTube Official Blog. (2021). *Supporting Artists Through YouTube Music*. Retrieved from: https://blog.youtube

Indian Express (2022). *How Indian Artists Are Using Digital Platforms to Break Through*. Retrieved from: https://indianexpress.com